



भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)



भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

2025 के मानसूनोत्तर ऋतु के दौरान वर्षा और अक्टूबर 2025 के दौरान वर्षा और तापमान का दीर्घावधि पूर्वानुमान

Long Range Forecast of Rainfall during Post-Monsoon Season 2025 and Rainfall and Temperature during October 2025

मुख्य अंश

- क) दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जिसमें पाँच मौसम विज्ञान संबंधी उपखंड (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे, तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) शामिल हैं, में अक्टूबर से दिसंबर (ओएनडी/OND) के दौरान ऋतुनिष्ठ वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 112% से अधिक) होने की संभावना है। देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों और सुदूर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहाँ वर्षा सामान्य से नीचे होने की संभावना है।
- ख) अक्टूबर 2025 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य से अधिक, दीर्घावधि औसत का 115% से अधिक होने की संभावना है। अक्टूबर 2025 में, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है। हालाँकि, उत्तर-पश्चिम भारत और सुदूर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के इक्का-दुक्का स्थानों पर सामान्य से नीचे वर्षा हो सकती है।
- ग) अक्टूबर में, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है सिवाय पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालयी राज्यों और सौराष्ट्र एवं कच्छ को छोड़कर, जहाँ सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की प्रबल संभावना है। देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, जबकि पूर्व, पूर्वोत्तर और पूर्व-मध्य भारत में इसकी प्रबल संभावना है।
- घ) वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान औसत के करीब है, जो तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) स्थितियों का संकेत देता है। मानसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमानों से मानसून के बाद की ऋतु में ला नीना स्थितियों के विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।
- ड) वर्तमान में, हिंद महासागर में कमजोर नकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियाँ व्याप्त हैं। एमएमसीएफएस/MMCFS और वैश्विक जलवायु मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि मानसून के बाद के मौसम में नकारात्मक IOD स्थितियाँ जारी रहने की संभावना है।

आईएमडी अक्टूबर 2025 के अंत तक नवंबर 2025 के दौरान वर्षा और तापमान का आउटलुक जारी करेगा।

1. पृष्ठभूमि

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जिसमें पाँच मौसम विज्ञान संबंधी उपखंड (तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे, तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) शामिल हैं, अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग 30% उत्तर-पूर्वी मानसून ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर) के दौरान प्राप्त करता है। तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग 48% उत्तर-पूर्वी मानसून ऋतु के दौरान प्राप्त करते हैं। इस अवधि के महत्व को समझते हुए, आईएमडी 1998 से सांख्यिकीय मॉडलों का उपयोग करके दक्षिण प्रायद्वीप के लिए ऋतुनिष्ठ वर्षा पूर्वानुमान जारी कर रहा है और इन पूर्वानुमान प्रणालियों की दक्षता को निरंतर बढ़ा रहा है।

2021 में, आईएमडी ने देश भर में वर्षा के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ परिचालन पूर्वानुमान जारी करने हेतु एक नई रणनीति अपनाई। यह दृष्टिकोण मौजूदा सांख्यिकीय पूर्वानुमान प्रणाली को एक नव विकसित मल्टी-मॉडल एनसेंबल (एमएमई/MME)-आधारित प्रणाली के साथ जोड़ता है। एमएमई तकनीक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों, जिनमें आईएमडी का अपना मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) भी शामिल है, के युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCM) का उपयोग करती है। इस रणनीति का उपयोग करते हुए, आईएमडी वर्षा और तापमान (अधिकतम और न्यूनतम) के लिए वर्षा ऋतुनिष्ठ और मासिक पूर्वानुमानों की एक श्रृंखला जारी करता है।

मानसूनोत्तर ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर 2025) के लिए वर्षा पूर्वानुमान, साथ ही अक्टूबर 2025 के लिए वर्षा और तापमान का पूर्वानुमान नीचे दिया गया है।

2. अक्टूबर से दिसंबर (ओएनडी/OND) 2025 के दौरान वर्षा का संभाव्य पूर्वानुमान

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में मानसूनोत्तर ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर (ओएनडी/OND) के दौरान औसत वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 112% से अधिक) होने की संभावना है। 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में मानसूनोत्तर ऋतु के दौरान वर्षा का एलपीए/LPA लगभग 334.13 मिमी है।

देश भर में मानसूनोत्तर ऋतु के लिए वर्षा की टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण चित्र 1. में दर्शाया गया है। संभाव्य पूर्वानुमान यह दर्शाता है कि देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत के कई भागों और सुदूर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत तथा पूर्वोत्तर भारत के कुछ भागों को छोड़कर, जहाँ वर्षा सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। जलवायु विज्ञान के अनुसार, मानचित्र में दर्शाए गए बिंदु वाले क्षेत्र में अक्टूबर से

दिसंबर के सीज़न में बहुत कम वर्षा होती है और मुख्य भूमि के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत नहीं दर्शाते हैं।

यह ध्यान देने योग्य है कि सामान्य से अधिक वर्षा कृषि और जल संसाधनों के लिए लाभदायक हो सकती है, लेकिन यह बाढ़, परिवहन व्यवधान, जन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और पारिस्थितिक प्रभावों सहित कई जोखिम भी लाती है। इन संभावित खतरों को देखते हुए, इस ऋतु के लिए प्रत्याशित कार्रवाई शुरू की जा सकती है। आईएमडी द्वारा प्रदान की जाने वाली पूर्व चेतावनी सेवाओं का उपयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें समय पर प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (आईबीएफ/IBF) और भारी वर्षा, बाढ़ और संबंधित खतरों के विरुद्ध जोखिम-आधारित चेतावनियाँ शामिल हैं। अधिकारियों को बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़ करके, आकस्मिक योजनाएँ विकसित करके और पूर्वानुमान/चेतावनियों और सलाह पर तुरंत प्रतिक्रिया देकर एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसी तैयारी कुशल संसाधन जुटाने, कमजोर समुदायों की सुरक्षा करने और प्रतिकूल मौसम की घटनाओं के दौरान जीवन और आजीविका की रक्षा करने में मदद कर सकती है।

3. अक्टूबर 2025 के दौरान वर्षा का संभाव्य पूर्वानुमान

अक्टूबर 2025 के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से अधिक, दीर्घावधि औसत (LPA) के 115% से अधिक रहने की संभावना है। 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर, अक्टूबर माह के दौरान देश भर में वर्षा का LPA लगभग 75.4 मिमी है।

अक्टूबर 2025 के दौरान देश भर में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण चित्र. 2. में दर्शाया गया है। पूर्वानुमान से पता चलता है कि देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। हालाँकि, उत्तर-पश्चिम भारत और सुदूर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से नीचे वर्षा हो सकती है। भूमि क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत नहीं दर्शाते हैं। जलवायु विज्ञान के अनुसार, मानचित्र में दर्शाए गए बिंदु वाले क्षेत्र में अक्टूबर के दौरान बहुत कम वर्षा होती है।

4. अक्टूबर 2025 के दौरान देश भर में तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र. 3ए. और चित्र. 3बी. अक्टूबर 2025 के दौरान क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान दर्शाते हैं।

अक्टूबर में, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है सिवाय पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालयी राज्यों और सौराष्ट्र एवं कच्छ को छोड़कर, जहाँ सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना

है, (चित्र. 3ए.) । पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की प्रबल संभावना है।

अक्टूबर के दौरान देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, जबकि पूर्वी, पूर्वोत्तर और पूर्व-मध्य भारत में इसकी प्रबल संभावना है (चित्र. 3बी.)।

5. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्री सतही तापमान (एसएसटी/SST) की स्थिति

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्री सतही तापमान लगभग औसत है, जो तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) स्थितियों का संकेत देता है। मानसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमान मानसून के बाद की ऋतु में ला नीना स्थितियों के विकसित होने की संभावना को बढ़ाते हैं।

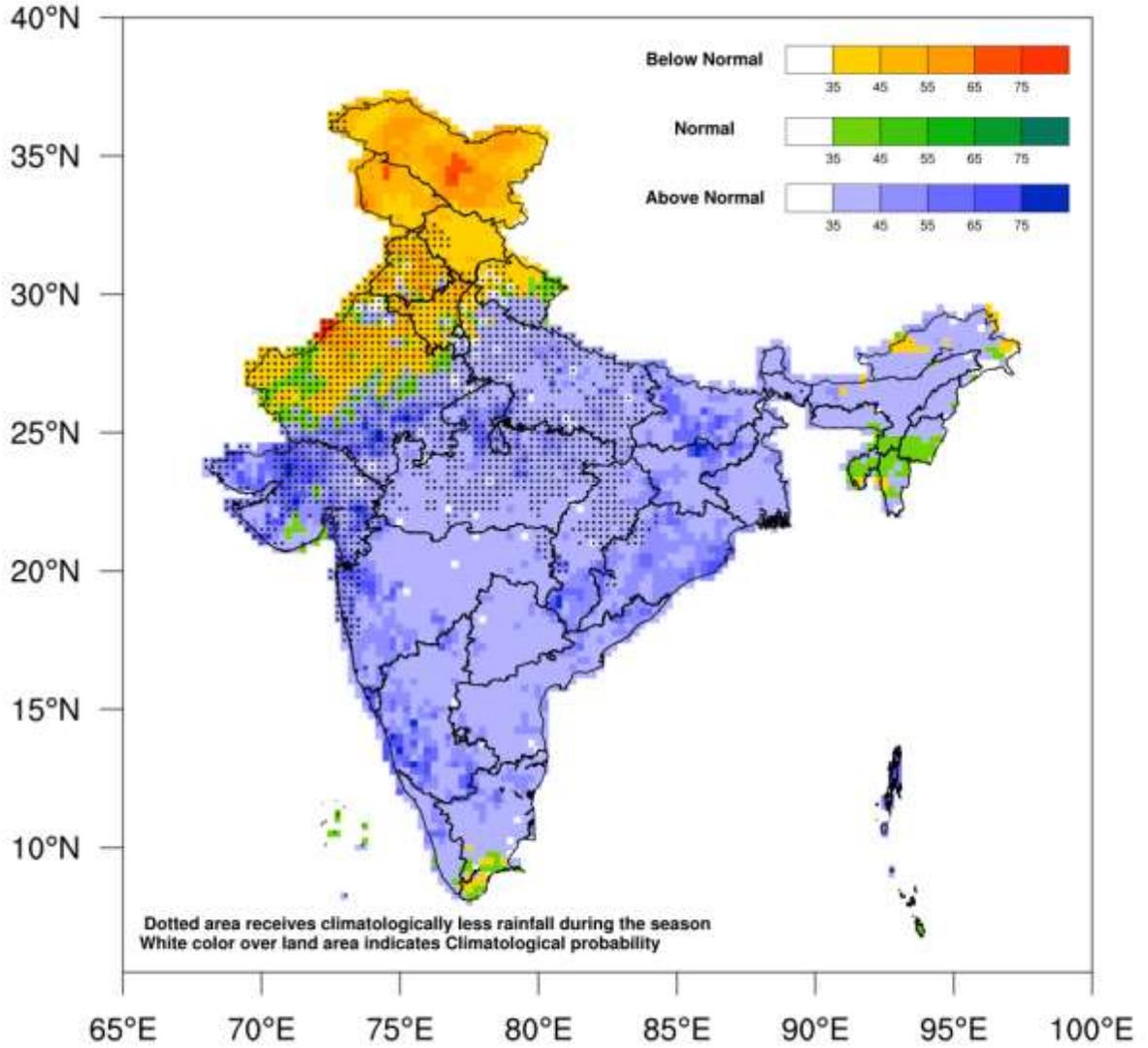
हिंद महासागर पर कमजोर नकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियाँ व्याप्त हैं। एमएमसीएफएस/MMCFS और वैश्विक जलवायु मॉडल के नवीनतम पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि मानसून के बाद की ऋतु में नकारात्मक IOD स्थितियाँ जारी रहने की संभावना है।

6. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान सेवाएँ

ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमानों के अलावा, आईएमडी देश भर में वर्षा और अधिकतम व न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार सप्ताहों के लिए 7-दिवसीय औसत पूर्वानुमान) तैयार करता है और प्रदान करता है, जिन्हें हर सप्ताह बृहस्पतिवार को अद्यतन किया जाता है। यह आईएमडी में वर्तमान में कार्यरत बहु-मॉडल एन्सेंबल गतिशील विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php पर उपलब्ध हैं।

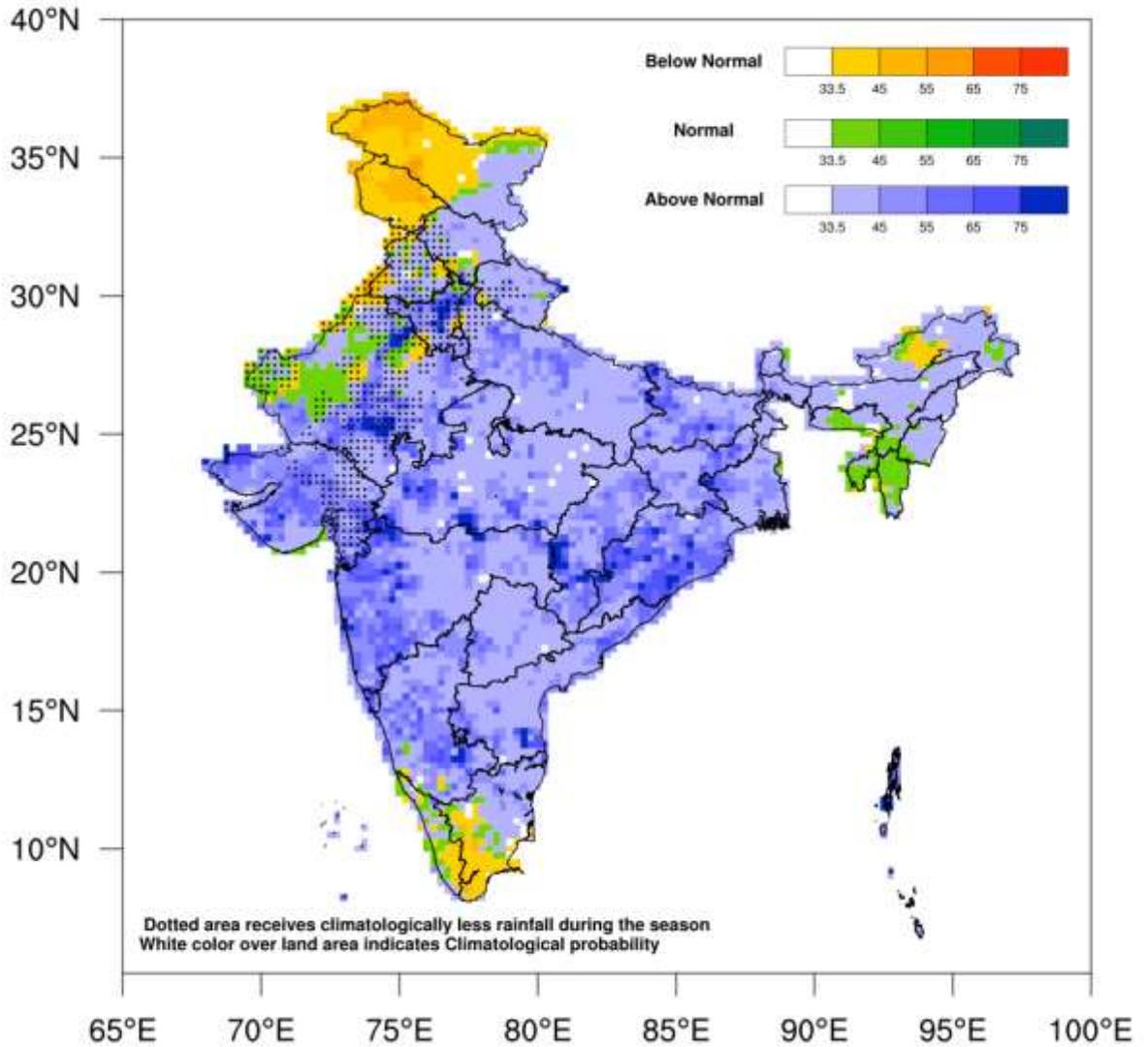
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद आईएमडी द्वारा प्रतिदिन लघु से मध्यम रेंज का पूर्वानुमान जारी किया जाता है। ये पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php पर उपलब्ध हैं।

Probability rainfall forecast for 2025 October to December Season

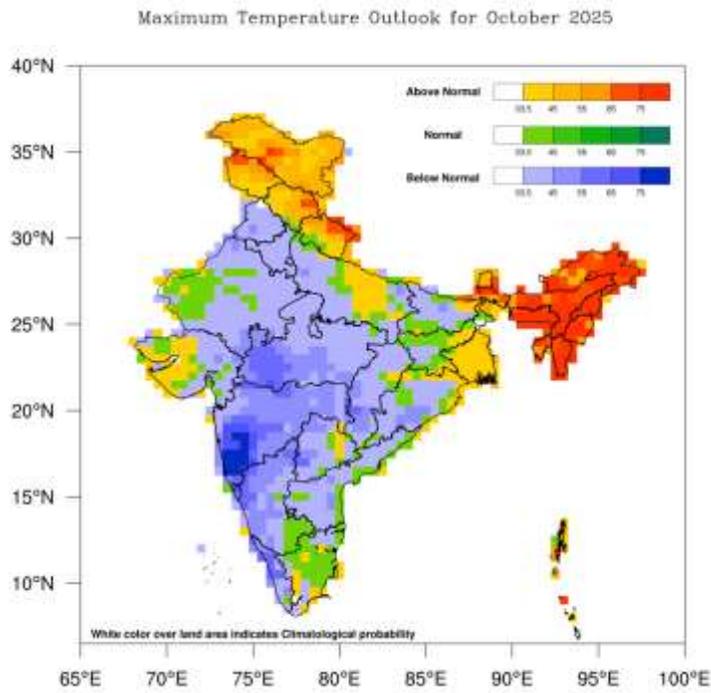


चित्र. 1. अक्टूबर से दिसंबर, 2025 की अवधि के दौरान भारत में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभाव्य पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। भूमि क्षेत्र के भीतर सफेद रंग से छायांकित क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत नहीं दर्शाते हैं। (*टर्साइल श्रेणियों की जलवायु संबंधी संभावनाएँ समान हैं, प्रत्येक की 33.33%) । जलवायु विज्ञान के अनुसार, बिंदीदार क्षेत्रों में इस ऋतु में कम वर्षा होती है।

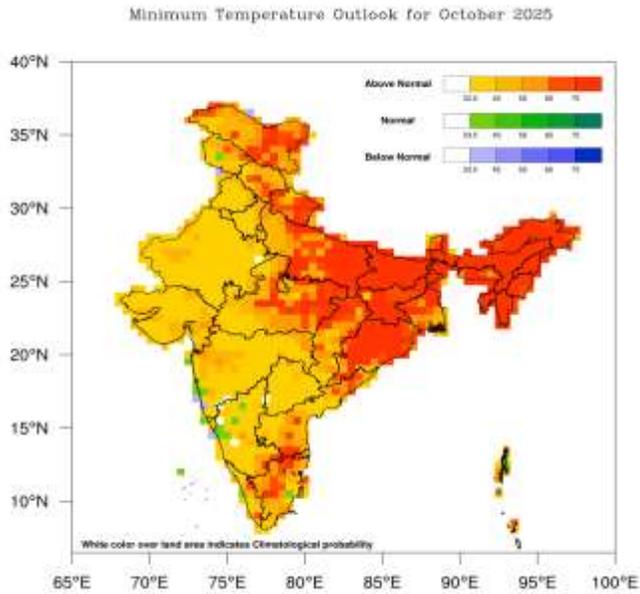
Probability rainfall forecast for October 2025



चित्र. 2. अक्टूबर 2025 के दौरान भारत में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभाव्य पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। मुख्य भूमि के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत नहीं दर्शाते हैं। जलवायु विज्ञान के अनुसार, बिंदीदार क्षेत्रों में अक्टूबर के दौरान कम वर्षा होती है (*टर्साइल श्रेणियों की जलवायु संबंधी संभावनाएँ समान हैं, प्रत्येक की 33.33%) ।



चित्र. 3ए. अक्टूबर 2025 के दौरान भारत में अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।



चित्र. 3बी. अक्टूबर 2025 के दौरान भारत में न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।